71 वर्ष के हुए अनुपम खेर

बॉलीवुड के जाने-माने चरित्र अभिनेता और फिल्मकार अनुपम खेर आज 71 वर्ष के हो गए.

अनुपम खेर का जन्म 07 मार्च 1955 को शिमला में हुआ था. उनके पिता पुष्कर नाथ एक कश्मीरी पंडित थे और हिमाचल प्रदेश के वन विभाग में क्लर्क थे. अनुपम ने अपनी स्कूली शिक्षा शिमला के डीएवी स्कूल से की.बाद में, उन्होंने शिमला के संजौली स्थित सरकारी कॉलेज में अर्थशास्त्र की पढ़ाई की. उन्होंने चंडीगढ़ के पंजाब विश्वविद्यालय में भारतीय रंगमंच का अध्ययन करने के लिए पढ़ाई छोड़ दी. अनुपम खेर ने 1978 में नई दिल्ली में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से स्नातक किया. इसके बाद वह रंगमंच से जुड़ गए.

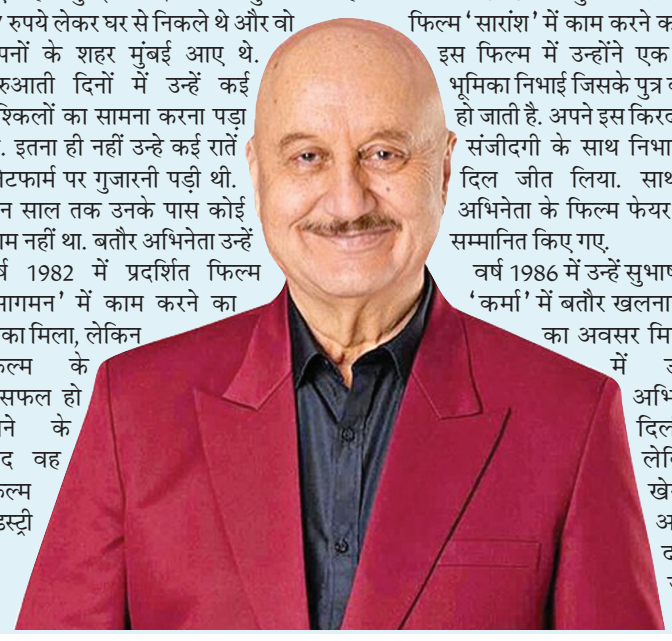

80 के दशक में अभिनेता बनने का सपना लिए हुए उन्होंने मुंबई में कदम रखा.अनुपम खेर महज 37 रुपये लेकर घर से निकले थे और वो सपनों के शहर मुंबई आए थे. शुरुआती दिनों में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा था. इतना ही नहीं उन्हे कई रातें प्लेटफार्म पर गुजारनी पड़ी थी. तीन साल तक उनके पास कोई काम नहीं था. बतौर अभिनेता उन्हें वर्ष 1982 में प्रदर्शित फिल्म 'आगमन' में काम करने का मौका मिला, लेकिन फिल्म के असफल हो जाने के बाद वह फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में कामयाब नहीं हो सके.

वर्ष 1984 में अनुपम खेर को महेश भट्ट की फिल्म 'सारांश' में काम करने का अवसर मिला. इस फिल्म में उन्होंने एक वृद्ध पिता की भूमिका निभाई जिसके पुत्र की असमय मृत्यु हो जाती है. अपने इस किरदार को अनुपम ने संजीदगी के साथ निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया. साथ ही सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के फिल्म फेयर पुरस्कार से भी सम्मानित किए गए.

वर्ष 1986 में उन्हें सुभाष घई की फिल्म 'कर्मा' में बतौर खलनायक काम करने का अवसर मिला. इस फिल्म में उनके सामने अभिनय सम्राट दिलीप कुमार थे, लेकिन अनुपम खेर अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने में सफल रहे.

सोलो लीड फिल्म में काम करेंगे अर्जुन रामपाल

फिल्म 'धुरंधर' की ज़बरदस्त सफलता के बाद अर्जुन रामपाल एक दमदार सोलो लीड के साथ फिर से बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं. यह नई, अभी अनटाइटल्ड फैमिली ड्रामा फिल्म मनोरंजन के साथ एक मजबूत सामाजिक संदेश भी लेकर आती है. कहानी जीवन की सादगी, अपनी जड़ों से जुड़ाव और उन रिश्तों का जश्न मनाती है जो सच में मायने रखते हैं. यहाँ कोई घिसा-पिटा मसाला नहीं, बल्कि दिल को छू लेने वाली, अपनेपन से भरी और पूरे परिवार के साथ देखने लायक कहानी है, जो हमें अपनी विरासत और अपनों की कद्र करना याद दिलाती है. यह फिल्म अर्जुन रामपाल और लेखक-निर्देशक शैलेश वर्मा की पहली साथ काम करने वाली फिल्म है.

कुब्रा सैत ने नाना पाटेकर से सीखे अभिनय के गुर

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने 'संकल्प' की शूटिंग के दौरान नाना पाटेकर से अभिनय के गुर सीखे.

प्रकाश झा निर्देशित अपने आगामी प्रोजेक्ट 'संकल्प' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान, कुब्रा सैत ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के साथ काम करने के अपने अनुभव को न सिर्फ बेहद खास, बल्कि उन्हें अद्वितीय कहते हुए उन्हें बेहद प्रेरणादायक भी बताया.

कुब्रा सैत ने कहा, 'नाना पाटेकर वाकई एक अद्वितीय कलाकार हैं, जो न सिर्फ अगले दिन का स्क्रिप्ट अपने हाथों से लिखते हैं, बल्कि उसकी हर लाइन खुद याद करते हैं. उनकी लेखनी बेहद प्रभावशाली है, उनका जुड़ाव पूरी तरह समर्पित और उनकी मेहनत बेमिसाल है. उन्हें काम करते हुए देखना मेरे लिए जिंदगी के सबसे बड़े सीखने वाले अनुभवों में से एक रहा है.'

कुब्रा की बातों से यह भी साफ झलकता है कि नाना पाटेकर अपने किरदारों के लिए कितनी गहराई से तैयारी करते हैं. दशकों से अपने दमदार अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले नाना पाटेकर आज भी अपनी अनुशासन और काम के प्रति गंभीरता से नई पीढ़ी के कलाकारों को प्रेरित कर रहे हैं. साथ ही कुब्रा सैत की इस दिल से की गई तारीफ ने यह भी दिखाया कि 'संकल्प' के सेट पर काम का माहौल बेहद सहयोगी और सीखने वाला था, जहां कलाकार एक-दूसरे से लगातार कुछ नया सीख रहे थे.अब जब 'संकल्प' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ चुकी है, तो ऐसे में कुब्रा के ये शब्द इस प्रोजेक्ट के पीछे लगी मेहनत, समर्पण और जुनून की एक झलक भी पेश कर रहे हैं.

बच्चों की सुरक्षा पर एकता कपूर की पहल

फिल्म निर्माता एकता कपूर ने अपने शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में कंसेंट और सेफ टच का संदेश दिया है. स्टार प्लस ने सालों से ऐसी कहानियाँ बनाई हैं जो भावनाओं और गहरे ड्रामे से भरी होती हैं. इसके सबसे यादगार शोज में से एक, 'क्यूँकि सास भी कभी बहू थी', सिर्फ एक फैमिली सीरियल से कहीं बढ़कर था. यह एक ऐसा शो बना जिसने असल जिंदगी की समस्याओं और जरूरी सामाजिक मुद्दों को बहुत ही सहज तरीके से दिखाया, और उन किरदारों के जरिए बातचीत शुरू करने में मदद की जिनसे दर्शक खुद को गहराई से जुड़ा हुआ महसूस करते थे.

मौजूदा ट्रैक में, किडनैपिंग के बाद परी की बेटी गरिमा के साथ तुलसी की बातचीत को बहुत ही संवेदनशीलता के साथ दिखाया गया है. उस सदमे से बस आगे बढ़ जाने के बजाय, शो में दिखाया गया है कि कैसे तुलसी गरिमा को 'गुड टच' और 'बैड टच' के बीच का फर्क बड़े प्यार से समझाती है, और बच्चे को भरोसा दिलाती है कि अपनी बात कहना न सिर्फ सही है, बल्कि बहुत जरूरी भी है. यह पल भले ही शांत है, पर बहुत असरदार है. यह कहानी को सिर्फ डर और सदमे से हटाकर जागरूकता और हिम्मत की ओर ले जाता है.

निर्माता एकता कपूर ने बताया कि जब तुलसी स्क्रीन पर ऐसे मुद्दों पर बात करती है, तो यह घर पर माता-पिता को जरूरी बातचीत शुरू करने के लिए प्रेरित करता है. एकता कपूर ने कहा, ''क्यूँकि सास भी कभी बहू थी' के साथ हमें यह समझ आया कि विरानी परिवार पर दर्शकों का जो भरोसा है, उसके साथ वास्तविकता को दिखाने की एक बड़ी जिम्मेदारी भी आती है.

विद्या बालन को अपना 'हीरो' मानती हैं तापसी

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू, विद्या बालन को अपना हीरो मानती है. हाल ही में तापसी पन्नू ने बताया कि हिंदी सिनेमा में अपने करियर को लेकर उनकी सोच पर विद्या बालन का कितना गहरा प्रभाव रहा है. तापसी ने कहा कि वह विद्या को अपना 'हीरो' मानती हैं, क्योंकि उनकी फिल्मों ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि इंडस्ट्री में महिला कलाकार भी लंबे समय तक मजबूत और दमदार भूमिकाओं के साथ आगे बढ़ सकती हैं.

तापसी पन्नू ने कहा, 'विद्या मेरी हीरो हैं, क्योंकि उन्होंने मेरे करियर को देखने का पूरा तरीका बदल दिया. उन्होंने मुझे यह विश्वास दिलाया कि मैं भी ऐसा कर सकती हूं. यकीन मानिए अगर उनकी 'द डर्टी पिक्चर' और 'कहानी' जैसी फिल्में नहीं बनी होतीं, तो शायद मेरे जैसे कलाकारों को इंडस्ट्री में आगे बढ़ते रहने का साहस ही नहीं मिलता. इन्हीं फिल्मों ने मेरे करियर की 'शेल्फ लाइफ' को लेकर मेरा नजरिया बदल दिया क्योंकि यह फ़िल्में तब रिलीज़ हुईं, जब मैं हिंदी फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत कर रही थीं. इन फिल्मों की सफलता ने मुझे यह भरोसा दिलाया कि अभिनेत्रियां भी कंटेंट-ड्रिवन और मजबूत कहानियों वाली फिल्मों को अपने दम पर आगे बढ़ा सकती हैं.'

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' का ट्रेलर हुआ रिलीज़

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है. जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज ने आदित्य धर की स्पाई-एक्शन थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' का ट्रेलर रिलीज़ कर दिया है.

ट्रेलर में रणवीर सिंह जसकीरत सिंह रंगी के किरदार में दमदार अंदाज़ में लौटते नजर आते हैं. इस बार वह दो अवतारोंजसकीरत और हमज़ा में दिखाई देंगे. कहानी में और मजबूती जोड़ते हुए आर. माधवन रणनीतिक मास्टरमाइंड अजय सान्याल के रूप में नजर आते हैं, अर्जुन रामपाल आईएसआई मेजर इकबाल के रूप में एक खतरनाक और प्रभावशाली किरदार निभाते दिखाई देते हैं, जबकि संजय दत्त एसपी चौधरी असलम के रूप में दमदार मौजूदगी दर्ज कराते हैं. तेज़ रफ्तार एक्शन, धारदार संवाद और ऐसे कई पल ट्रेलर में दिखाई देते हैं जो सिनेमाघरों में सीटियां बजवाने का दम रखते हैं. यह ट्रेलर एक बड़े बदले की कहानी की झलक देता है, जिसे बेहद भव्य पैमाने पर पेश किया गया है.

गुलकी जोशी ने शेयर किए भावनात्मक अनुभव

अभिनेत्री गुलकी जोशी के लिये सोनी सब के आगामी शो 'हुई गुम यादें- एक डॉक्टर, दो ज़िंदगियाँ', में इक़बाल खान के साथ स्क्रीन शेयर करना बेहद निजी और भावनात्मक अनुभव रहा है.

सोनी सब का नया शो 'हुई गुम यादें- एक डॉक्टर, दो ज़िंदगियाँ', एक लोकप्रिय इटैलियन ड्रामा डॉक का रूपांतरण है, जो यादों, पहचान और दूसरे मौकों की कहानी को बेहद भावनात्मक अंदाज़ में पेश करता है. शो की कहानी डॉ. देव (इक़बाल खान) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक मशहूर डॉक्टर हैं. लेकिन, एक हादसे के बाद उनकी ज़िंदगी अचानक बदल जाती है और उनकी याददाश्त खो जाती है. जब वे वापस उस दुनिया में लौटते हैं, जो उनके बिना आगे बढ़ चुकी है, तो उन्हें अनजाने रिश्तों, पेशेवर उम्मीदों और उस अतीत का सामना करना पड़ता है, जिसे वे अब याद नहीं कर पाते. धीरे-धीरे वे फिर से समझते हैं कि असली मायने में डॉक्टर और इंसान होने का मतलब क्या है. इस कहानी में गुलकी जोशी भी अहम् किरदार निभा रही हैं, जो डॉ. देव की एक्स-वाइफ सृष्टि का रोल कर रही हैं.

उनकी मौजूदगी शो की कहानी को और भावनात्मक गहराई देती है और अस्पताल के भीतर और बाहर बदलते रिश्तों को मज़बूती और नया नज़रिया देती है.

यंग इंडिया

यूपी में फार्मासिस्ट के 560 पदों पर भर्ती

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएस एसएससी) ने वर्ष 2026 के लिए फार्मासिस्ट पदों पर भर्ती की अधिसूचना जारी की है. इस भर्ती के माध्यम से कुल 560 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी. यह भर्ती स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर मानी जा रही है.

आयोग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार आवेदन प्रक्रिया 9 मार्च 2026 से शुरू होगी. इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 29 मार्च 2026 तक पंजीकरण कर सकते हैं. वहीं आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि भी 29 मार्च 2026 निर्धारित की गई है. यदि आवेदन पत्र में किसी प्रकार की त्रुटि हो जाती है तो उम्मीदवारों को 5 अप्रैल 2026 तक उसमें सुधार करने का अवसर मिलेगा. परीक्षा की तिथि बाद में घोषित की जाएगी, जबकि प्रवेश पत्र परीक्षा से पहले जारी किए जाएंगे.

इस भर्ती अभियान के तहत फार्मासिस्ट के कुल 560 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी. इनमें सामान्य वर्ग के लिए 224 पद, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 56 पद, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 151 पद, अनुसूचित जाति के लिए 118 पद और अनुसूचित जनजाति के लिए 11 पद निर्धारित किए गए हैं. फार्मासिस्ट पद के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास फार्मेसी में डिप्लोमा होना अनिवार्य है.

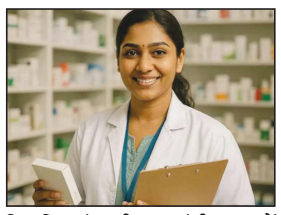

एआई सीखकर युवा बढ़ा सकते हैं रोजगार के अवसर

आज के डिजिटल युग में तकनीक तेजी से बदल रही है और इसका सबसे बड़ा उदाहरण एआई है. एआई यानी ऐसी तकनीक जो मशीनों को सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता देती है. वर्तमान समय में कई कंपनियां और संस्थान एआई का उपयोग कर रहे हैं. ऐसे में युवाओं के लिए इस तकनीक को सीखना रोजगार के नए अवसर खोल सकता है.

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में लगभग हर क्षेत्र में एआई का उपयोग बढ़ेगा. पत्रकारिता, बैंकिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यापार और तकनीकी क्षेत्र में इसका प्रयोग तेजी से हो रहा है. यदि युवा समय रहते एआई को सीख लेते हैं तो उन्हें नौकरी पाने में काफी मदद मिल सकती है. एआई सीखने के लिए युवाओं के पास कई आसान माध्यम उपलब्ध हैं. सबसे पहले उन्हें कंप्यूटर और इंटरनेट की बुनियादी जानकारी मजबूत करनी चाहिए. इसके बाद वे विभिन्न ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से एआई और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों को सीख सकते हैं. आज कई शैक्षणिक मंच ऐसे पाठ्यक्रम उपलब्ध कराते हैं जिनके माध्यम से विद्यार्थी घर बैठे नई तकनीक सीख सकते हैं. इसके अलावा युवाओं को प्रोग्रामिंग भाषाओं की जानकारी भी होना जरूरी है. पायथन जैसी प्रोग्रामिंग भाषा एआई के क्षेत्र में सबसे ज्यादा उपयोग की जाती है. इसके माध्यम से युवा डाटा विश्लेषण, स्वचालित प्रणाली और बुद्धिमान सॉफ्टवेयर विकसित करना सीख सकते हैं. एआई सीखते समय युवाओं को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि छोटे-छोटे प्रोजेक्ट बनाकर व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त करना चाहिए. उदाहरण के तौर पर चैटबॉट बनाना, डाटा विश्लेषण करना या सरल स्वचालित प्रणाली तैयार करना इस दिशा में अच्छा अभ्यास हो सकता है. इसके साथ ही युवाओं को नई तकनीक से जुड़े समाचार और शोध कार्यों पर भी ध्यान देना चाहिए. तकनीक लगातार विकसित हो रही है, इसलिए नई जानकारी प्राप्त करते रहना बहुत जरूरी है. विशेषज्ञों के अनुसार एआई केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उपयोग लेखन, डिजाइन, वीडियो निर्माण और विपणन जैसे क्षेत्रों में भी हो रहा है. इसलिए किसी भी क्षेत्र के युवा इसे सीखकर अपने कौशल को बेहतर बना सकते हैं. कुल मिलाकर कहा जाए तो एआई भविष्य की महत्वपूर्ण तकनीक है.

आईडीबीआई बैंक भर्ती में युवाओं के लिए बड़ा अवसर

देश के युवाओं के लिए बैंकिंग क्षेत्र में नौकरी पाने का एक अच्छा अवसर सामने आया है. आईडीबीआई बैंक लिमिटेड ने जूनियर असिस्टेंट मैनेजर और असिस्टेंट मैनेजर के कुल 1300 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है. इस भर्ती के माध्यम से योग्य और इच्छुक उम्मीदवारों को बैंकिंग क्षेत्र में करियर बनाने का मौका मिलेगा. आवेदन प्रक्रिया 08 मार्च 2026 से शुरू हो चुकी है और इच्छुक उम्मीदवार 19 मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन कर लें. भर्ती परीक्षा 12 अप्रैल 2026 को आयोजित की जाएगी, जबकि प्रवेश पत्र परीक्षा से पहले जारी किए जाएंगे. इस भर्ती अभियान के तहत जूनियर असिस्टेंट मैनेजर (जैम) ग्रेड 'ओ' के लिए 1100 पद और असिस्टेंट मैनेजर ग्रेड 'ए' के लिए 200 पद निर्धारित किए गए हैं. इन पदों के लिए उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री होना आवश्यक है.

जूनियर असिस्टेंट मैनेजर पद के लिए सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों के लिए कम से कम 60 प्रतिशत अंक और एससी, एसटी तथा दिव्यांग वर्ग के लिए 55 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं. वहीं असिस्टेंट मैनेजर पद के लिए स्नातक डिग्री के साथ कम से कम दो वर्ष का कार्य अनुभव भी आवश्यक रखा गया है.

आयु सीमा की बात करें तो जूनियर असिस्टेंट मैनेजर पद के लिए न्यूनतम आयु 20 वर्ष और अधिकतम आयु 25 वर्ष निर्धारित की गई है, जबकि असिस्टेंट मैनेजर पद के लिए आयु सीमा 21 से 30 वर्ष के बीच रखी गई है. आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट भी दी जाएगी. आवेदन शुल्क भी वर्ग के अनुसार तय किया गया है.

वन रक्षक और जेल प्रहरी भर्ती 1679 पदों पर युवाओं को मिलेगा अवसर

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (एमपीईएसबी) ने वर्ष 2026 के लिए वन रक्षक, क्षेत्र रक्षक, जेल प्रहरी और जेल सुपरिंटेंडेंट पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है. इस संयुक्त भर्ती परीक्षा के माध्यम से कुल 1679 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी. यह भर्ती प्रदेश के युवाओं के लिए सरकारी नौकरी पाने का एक महत्वपूर्ण अवसर मानी जा रही है. इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 28 फरवरी 2026 से शुरू हो चुकी है. इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 14 मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

आवेदन पत्र में किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर उम्मीदवारों को 19 मार्च 2026 तक संशोधन करने का अवसर भी दिया जाएगा. भर्ती परीक्षा का आयोजन 7 अप्रैल 2026 से किया जाएगा, जबकि प्रवेश पत्र परीक्षा से पहले जारी किए जाएंगे. इस भर्ती अभियान के अंतर्गत वन रक्षक के 728 पद, क्षेत्र रक्षक के 169 पद, जेल प्रहरी के 757 पद और जेल सुपरिंटेंडेंट के 25 पद निर्धारित किए गए हैं. इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता भी अलग-अलग तय की गई है. वन रक्षक, क्षेत्र रक्षक और जेल प्रहरी पदों के लिए उम्मीदवारों का किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय से दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है. वहीं जेल सुपरिंटेंडेंट पद के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक डिग्री होना अनिवार्य है. इन पदों के लिए शारीरिक मानदंड भी निर्धारित किए गए हैं. वन रक्षक और क्षेत्र रक्षक पदों के लिए पुरुष उम्मीदवारों की न्यूनतम लंबाई 163 सेंटीमीटर और महिला उम्मीदवारों की न्यूनतम लंबाई 150 सेंटीमीटर होनी चाहिए. वहीं जेल प्रहरी पद के लिए पुरुष उम्मीदवारों की लंबाई 165 सेंटीमीटर और महिला उम्मीदवारों की लंबाई 158 सेंटीमीटर निर्धारित की गई है.